अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 12 मई 2025

PAGE NO 8 : MIDDLE

गीत-गजलों की प्रस्तुति पर झूम उठे श्रोता

स्वरांजलि में प्रस्तुति देते गायन गुरु व शिष्य। *स्रोत : संस्था*

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम स्वरांजलि के नाम से सजाई गई। इसमें रिद्धिमा के गुरु और शिष्यों ने अपने स्वर, लय और ताल से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम का आरंभ गायन की विद्यार्थी स्वरित तिवारी ने मोहब्बत करने वाले कम न होंगे... को अपनी आवाज देकर किया। भरतनाट्यम गुरु तनया भट्टाचार्य और गायन के विद्यार्थी डॉ. अनुज कुमार ने हेमंत कुमार के सुप्रसिद्ध गाने तुम पुकार लो तुम्हारा इंतजार है... को अपनी आवाज में प्रस्तुत किया।

गायन गुरु प्रियंका ग्वाल और गायन के विद्यार्थी अंशुमा अग्रवाल ने गीत किसी राह में किसी मोड़ पर... को अपनी आवाज दी।

विजुअल आर्ट गुरु गौरव कुमार, गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे ने भी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में गुरु उमेश मिश्रा, सूर्यकांत चौधरी, टुकुमनी सेन, सुमन बिस्वास, अमरनाथ, अनुग्रह सिंह और विशेष सिंह ने अपने वाद्ययंत्रों के साथ संगत दी।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. एमएस बुटोला, डा. शैलेश सक्सेना आदि मौजूद रहे। संवाद